ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBBIL04292
RNI REG. NO. UPBBIL/2014/66218 PP. NO.- 264-267
ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-I, Issues-16 YEAR- June. -2020

चीनी संस्कृति में भारतीय बौद्ध धर्म का प्रभाव

राजीव रंजन कुमार
शोध अध्येता, प्राचीन इतिहास एवं सस्कृति विभाग, साउथ चाइना नार्मल यूनिवर्सिटी
क्वांगतोंग प्रांत, क्वांगचो, (चीन)

Received- 22.07.2020, Revised- 27.07.2020, Accepted - 30.07.2020 E-mail: chiraj92@gmail.com

सारांश : ***बौद्ध धर्म का जन्म भारत में ई.पू छठी शताब्दी में हुआ था। भारत से बौद्ध धर्म जहाँ लुप्त हो रहा था। वही दूसरे देश में बौद्ध धर्म का प्रसार और विकास होने लगा। मौर्य वंश के प्रसिद्ध सम्राट अशोक के शासन काल के दौरान बौद्ध धर्म ने समृद्धि की अवधि में प्रवेश किया। मौर्य वंश के प्रसिद्ध सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को स्वर्ण युग में प्रवेश कराया। सम्राट अशोक ने कुछ बौद्ध धर्म के समूहों को विदेश भेज दिये, बौद्ध धर्म के प्रसार के लिए। मौर्य राजवंश के समाप्ति के बाद भारत फिर से अराजकता में घिर गया। लेकिन बौद्ध धर्म का प्रसार बंद नहीं हुआ। बौद्ध धर्म से पहले भारत में वैदिक धर्म का बोलबाला था। इसलिए बौद्ध धर्म को शुरू में ज्यादा बढ़ावा नहीं मिला।***

कुंजीभूत शब्द– जन्म, छठी शताब्दी, लुप्त, प्रसार, विकास, मौर्य वंश, शासन काल, अवधि, प्रवेश, धर्म ।

अशोक के शासनकाल में बौद्ध धर्म अपने चरम पर था। इसीकारण दूसरे धर्म के लोग बिलुप्त होना शुरू हो गये। इसमें ऋषियों और मुनियों को दबाया गया। इन्हें सम्मान नहीं दिया गया। परन्तु जैसे ही मौर्य शासक की समाप्ति हुई। फिर से वैदिक धर्म भारत में बढ़ने लगा और भारत में बौद्ध धर्म विलुप्त होने लगा।

1. वैदिक धर्म ब्राह्मण केंद्रित था।

2. बौद्ध धर्म बौद्ध विहार केंद्रित था।

बौद्ध संस्कृति चीन–भारत सांस्कृतिक आदान–प्रदान का एक महत्वपूर्ण पहलु है। बौद्ध धर्म का चीन से परिचय के बाद बौद्ध धर्म बहुत तेजी से बढ़ने लगा। बौद्ध धर्म का चीनी संस्कृति पर गहरा प्रभाव पड़ा और अंत में बौद्ध धर्म को चीनीकरण का एहसास हुआ। इसी तरह बौद्ध धर्म चीन में सबसे प्रचलित धर्म बन गया। चीन में बौद्ध धर्म के कारण जातिगत एकता और शक्ति का विकास हुआ। बौद्ध विचारधारा के कारण चीन में दास प्रथा की समाप्ति हुई ।

दास प्रथा– दास प्रथा मानव समुदाय का बहुत ही भयावह प्रथा था। इसमें मनुष्य के हाथो मनुष्य को उत्पीड़ित किया जाता था। चीन की सभ्यता पुरे विश्व में पुरानी सभ्यताओं में से एक है! प्राचीन चीन में बौद्ध धर्म के नियत समय से पूर्व या आगे अनेक महान राजवंशो का धर्म प्रचलित था! चीन में झोऊ राजवंश मे ही कन्फ्यूशियस के विचार और बौद्ध धर्म का विकास हुआ। चीन के लोग दास प्रथा से मुक्ति चाहते थे चीन मे बौद्ध धर्म के विकास होने के साथ,चीन मे जातिगत एकता और शक्ति का विकास हुआ। इसी के कारण चीन मे दास प्रथा की समाप्ति हुई। चीन मे दास प्रथा समाप्ति के बाद चिंग राजवंश का उदय हुआ।

ब्रिटेन के एक धार्मिक विद्वान फ्रैंक लिन ने कहा है की बुद्ध ने एक ऐसी छवि स्वीकार की है जो वास्तविकता से परे और अनूठा था। फ्रैंक लिन ने महसूस किया की इसे सामान्य सामाजिक और राजनितिक सीमाओं पर फैलना असंभव है। बौद्ध आंदोलन में लाखो लोगो द्वारा इसे फैलाया गया। इसका रचनात्मक रूप से स्थानीय करण किया गया। बौद्ध धर्म भारत – चीन के मध्य संस्कृतिक आदान – प्रदान का एक महत्वपूर्ण कड़ी है । बौद्ध धर्म के माध्यम से कई पहलुओं में दोनों देशो के बीच आदान – प्रदान सुचारु रूप से किया गया है। इसमें मूख्य रूप से साहित्य – कला, वैचारिक दर्शन, भौतिक सांस्कृति का आदि है। विचार – धारा और दर्शन के संदर्भ में, भारत और चीन के सांस्कृतिक आदान–प्रदान का अहम हिस्सा है।

बौद्ध धर्म के समय चीन में कन्फ्यूशियस विचार प्रचलित थे। चीन में बौद्ध धर्म के विकास और प्रसार का चीन का विचार धारा और दर्शन के विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है।

भारतीय बौद्ध धर्म में धार्मिक रंग और माहौल है। भौतिक सांस्कृतिक के संदर्भ में चीन में भारतीय बौद्ध विचारो के प्रसार के साथ , बौद्ध ने नई वस्तुओ, प्रतीकों, इमारतों, उपकरणों और अन्य वस्तुओ को निवेदित करके चीनी की भौतिक दुनिया को भी परिवर्तित कर दिया है।

बौद्ध मंदिर चीनी वस्तुकला और शहरों का एक महत्वपूर्ण भाग बन गया है, और एक महत्पूर्ण भूमिका भी निभाती है । चीन और भारत के मध्य लंबा इतिहास और सांस्कृतिक आदान–प्रदान होता रहा है । इसलिए जहाँ भारतीय बौद्ध संस्कृति चीन को प्रभावित करती है, वहीं

अनुरूपी लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-I, Issues-16 YEAR- June. -2020

चीनी संस्कृति का भारत पर प्रभाव पड़ा है । मार्क्स ने कहा प्राचीन भारत में कोई इतिहास नहीं था। भारत पर चीनी सस्कृति का उतना प्रभाव नहीं था। लेकिन प्रसिद्ध प्राचीन भारतीय महाकाव्य "महाभारत" के पुस्तक में चीन का कई स्थानों पर उल्लेख किया गया है, जहाँ से हम बता सकते है कि प्राचीन भारत में चीन की कुछ हद तक समझ थी। भारत पर दूरगामी प्रभाव रखने वाले थांग राजवंश के महान भिक्षु ह्वेनसांग की कहानी आज भी भारत के ज्यादातर लोगो को पता है। और वह भारत के स्कूल की पाठ्यपुस्तकों में दिखाई देते है। चीन में बौद्ध धर्म की शुरुआत ने चीन और भारत के बीच बौद्ध संस्कृतियों के बढ़ावा दिया है और मानव सभ्यता का एक महत्वपूर्ण भाग बन गया है।

भारत और चीन दोनों ही प्राचीन सभ्यताये है। बौद्ध धर्म के कारण इन दोनों देशो को अपनी सीमा के कारण जुड़ने और बातचीत करने का अवसर दिया है। बौद्ध धर्म की स्थापना के बाद से चीन और भारत की ओर यात्रा करने वाले चीनी भिक्षुओ को उपदेश देने वाले भारतीय भिक्षु चीन और भारत के बीच सांस्कृतिक आदान – प्रदान के लिए महत्वपूर्ण राजदूत बन गए। भारत के जो बौद्ध भिक्षु थे जो चीन गए उपदेश देने और चीन भिक्षु भारत आए बुद्ध को गहराई से जानने के लिए। दो हान चीनी के बीच बौद्ध धर्म चीन में पेश किया गया था, और बौद्ध धर्म विकसित करने के लिए जारी रखा। तब से भारत और चीन के बौद्ध भिक्षु लगातार सम्पर्क में है और चीन और भारत के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान के इतिहास का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए है।

चीन में बौद्ध धर्म के विकास और प्रसार का चीनी विचारधारा और दर्शन के विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। पारंपरिक कृषि सभ्यता के आधार पर पारम्परिक चीनी संस्कृति कन्फ्यूशीवाद के संस्थापक कन्फ्यूशियस को देखा जा सकता है की चीनी सामाजिक नैतिकता और नैतिकता पर ध्यान केंद्रित करते है, दुनिया में व्यावहारिक समस्याओ की खोज और समाधान को प्राथमिकता देते है, और समाज के समायोजन में धर्म की भूमिका की अनदेखी करते है। बौद्ध धर्म का परिचय, शब्द के साथ सभी शास्त्रों" जैसा कि मैंने सुना "सभी भाषा भगवान द्वारा बोली जाने वाली पवित्रता से भरा है। चीन के बौद्ध धार्मिक विचार" सभी कानूनों की खाली प्रकृति" अवशोषण, यही वजह है कि बौद्ध धर्म चीनी मुख्य भूमि पर एक महत्वपूर्ण कारण के साथ दीर्घकालीन अस्तित्व में प्रवेश किया। उत्तर और दक्षिण राजवंशो से लेकर शुरुआत तक चीन के कई प्रथम श्रेणी के विचारक बौद्ध थे। चीनी अपने विचारो में भारतीय बौद्ध धर्म को जोड़ने के लिए और यह चीनी बौद्ध धर्म बनाने के लिए। १३ वीं शताब्दी में, बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक का सुंग काल और मिंग काल में नए कन्फूशियस पर गहरा प्रभाव पड़ा। नव– कन्फ्यूशीवाद ने बौद्ध धर्म और ताओवाद के तत्वो को कन्फ्यूशीवाद में शामिल किया और मनुष्य और ब्रह्मांड की समस्याओं का फिर से मूल्यांकन किया। एकीकरण के वर्षो के बाद, भारतीय बौद्ध धर्म के धार्मिक विचार धीरे से चीनी विचार के साथ मिश्रणों और चीनी संस्कृति हम आज देख सकते है की कैसे विकसित किया है। साहित्य और कला के सन्दर्भ में, उत्तरी और दक्षिणी राजवंशो के बाद से भारतीय दंतकथाओं, मिथकों, कहानियों और मूर्तियों ने बौद्ध धर्म की शुरुआत के साथ चीन में बाढ़ आ गई है। चीनी साहित्य और कला की अभिव्यक्ति और सामग्री को समृद्ध किया है। चीन द्वारा बौद्ध प्रतिमाओं की कला को स्वीकार किये जाने के बाद उसने "ब्रह्म और प्रकाश" की विशेषताओं को दिखाते हुए चीन मे मूल बौद्ध प्रतिमाओं का निर्माण शुरू किया। चित्रकला में, वे भारत से भी प्रभावित थे। उन्होंने तीन आयामी धारण धारणा को व्यक्त करने के लिए खिलने के उपयोग के रूप में नई चित्रकला विधियां बनाई। काओ बक्सिंग ने " काओ भी आउट ऑफ वाटर "की शैली बनाने के लिए भारतीय कला से उधार लिया। इन कलात्मक तरीकों ने चीनी परम्पराओं को भी व्यापक रूप से प्रभावित किया है। कला, भारतीय संगीत सम्भवतः हान राजवंश में चीन के लिए पेश किया गया है।

बौद्ध धर्म 2500 वर्ष से भी अधिक पुराना है। और इसकी स्थापना सिद्धार्थ गौतम ने की थी। बौद्ध धर्म भी दुनिया के और धर्मो से प्रमुख धर्मो में से एक है। बौद्ध धर्म मानव मन, नैतिकता की प्रगति और जागरूकता को बहुत महत्व देता है। बौद्ध धर्म दुनिया का पहला विश्व धर्म है। बौद्ध धर्म का शुरुआत भारत से हुआ था। बौद्ध धर्म भारत में अब अल्पसंख्यक हो गया है। बौद्ध धर्म अभी भी एशिया में प्रमुख धर्म है।

विदेशी आक्रमण– उस समय भारत में इस्लाम धर्म के आने से भी बौद्ध धर्म को काफी नुकसान पहुँचा। बहुत सारे बौद्ध नेपाल एवं तिब्बत की ओर चले गये। उस समय इस्लाम धर्म को राज्य धर्म बना लिया। चीन में बौद्ध धर्म की शुरुआत चीन और भारत के बीच सांस्कृतिक आदान –प्रदान के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण घटना है। चीन में सांस्कृतिक विकाश का एक महत्वपूर्ण भूमिका बौद्ध धर्म का है। बौद्ध धर्म चीनी संस्कृति के लगभग हर पहलू को प्रभावित करता है। जैसे की जीवन शक्ति के विकाश को बढ़ावा देता है और इसे विकसित करने में मदद करता है। कहा जाता है कि अगर चीनी संस्कृति का वास्तविक इतिहास समझना है तो बौद्ध धर्म का भी अध्ययन भी जरुरी

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-1, Issues-16 YEAR- June. -2020

है। चीन मे भारतीय बौद्ध धर्म की शुरुआत के बाद ,चीन में भारतीय संस्कृति का गहरा प्रभाव पड़ा है। हर पहलु में भारतीय संस्कृति का प्रभाव है। अक्सर संस्कृतिक आदान–प्रदान देखने को मिल जाता है।

जिसका चीन के उत्तरी और दक्षिणी राजवंशो का अनुभव किया है । यह थांग राजवंश में काफी लोकप्रिय था और पहले से ही चीन में इसका एक निश्चित प्रभाव था। इसलिए बौद्ध धर्म के माध्यम से चीन में भारतीय साहित्य और कला की शुरुआत न केवल शैली, सामग्री और रूप के मामले में चीन पर बहुत प्रभाव डालती है, बल्कि सौंदर्य अपील, रचनात्मक विधियाँ और तकनीकी विधियाँ के मामले में भी चीनी साहित्य और कला को गहराई से प्रभावित करती है।

भौतिक संस्कृति के संदर्भ में– चीन में भारतीय बौद्ध के विचार और प्रसार के साथ नई पवित्र वस्तुओं, प्रतीकों, इमारतों, अनुष्ठानो और विभिन्न अन्य बड़ी और छोटी वस्तुओ और इन वस्तुओं को देखने के नया दृष्टिकोण और उनके साथ बातचीत के माध्यम से। इस तरह, बौद्ध धर्म ने चीन की भौतिक दुनिया को भी बदल दिया है। चीन में बौद्ध विश्वासियों की संख्या दिन–प्रतिदिन बढ़ रही है और बौद्ध धर्म से सम्बंधित धार्मिक गतिविधियाँ भी समय समय पर आयोजित की जाती है। इसलिए बौद्ध मंदिर भिक्षुओं और विश्वासियों के लिए एक महत्वपूर्ण गतिविधि केंद्र बन गए है और वे चीन की भूमि पर उभरे हैं।

निष्कर्ष– बौद्ध धर्म पहले भारत देश मे लोकप्रिय हुआ करता था, लेकिन यह बहुत अफसोस की बात है कि भारतीय बौद्ध धर्म मे गिरावट आई है। लेकिन अपने पड़ोसी देश चीन मे बौद्ध धर्म का विकास हुआ है। चीन और भारत मे बौद्ध प्रथा के कई अलग–अलग तरीके हैं। हम सब एक–दूसरे से सीखकर भारत और चीन के रिश्ते को काफी मजबूत कर सकते हैं। दोनो देशों मे बुद्ध पर आधारित फिल्म बना सकते है। फिल्म के माध्यम से लोगों के दिलों और भावनाओं तक पहुँच सकते है, क्योंकि बुध का उपदेश है– संकट में पड़े लोगों की मदद करना है, ईर्ष्या नहीं करना, इत्यादि। फिल्म के माध्यम से भी भारत और चीन के रिश्ते को और मजबूती दे सकते है। बौद्ध धर्म के अर्थ को बेहतर ढंग से समझने और बुद्ध की शिक्षाओं का प्रसार करने के लिए दोनों देश के सरकार निरंतर प्रयास कर रही है आज भी दोनों देशों के लोगों को पता है, चीनी यात्री ह्वेनसांग जो भारत के नालन्दा विश्वविधालय मे आकर भारत की संस्कृति, इतिहास और बुद्ध के बारे मे शिक्षा ग्रहण किया। उन्होंने भारतीय संस्कृति को चीन ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बौद्ध धर्म के अलावा भारतीय संस्कृति, रीति–रिवाज, शहरी जीवन आदि को चीन के लोगो के बीच प्रचारित किया। उन्होंने बहुत सारी पुस्तको को चीनी भाषा मे अनुवाद किया ताकि चीन के लोग अच्छी तरह से बौद्ध धर्म को समझ सके। अभी देखा जा सकता है कि चीन और भारत के रिश्ते अच्छे नहीं है। रिश्ते खराब होने का असर न सिर्फ व्यापर पर प्रभाव पड़ता है बल्कि दोनो देशों के लोगों पर भी प्रभाव पड़ता है। चीन की काफी लड़कियों ने भारत के लड़कों से विवाह किया है, वे सब अपना खुशहाल जीवन बीता रहे हैं। आशा करते है की ये खुशहाली इन दो देशो के बीच भी जल्द आ जाये। ऐसा कहा जाता है एक पड़ोसी ही दूसरे पड़ोसी की मदद करता है ना कि कोई बाहर वाला।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. डॉ0 गोविन्द चन्द्र पाण्डे, बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान राजर्षि पुस्षोत्तमदास टण्डन हिन्दी भवन छ, लखनऊ, 2006.
2. डॉ0 तुलसीराम शर्मा, महायान बौद्ध धर्म की रूपरेखा,जवाहर नगर ,दिल्ली,2007.
3. पी0वी0बापट, बौद्ध धर्म के 2500 वर्ष, सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली –10003, 2010.
4. डॉ0 आँगने लाल, बौद्ध संस्कृति के विविध आयाम ,वैज्ञानिक तथातकनी की शब्दावली आयोग मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारतस रकार, लखनऊ, 2008.
5. स्वामी प्रत्यगात्मानंद सरस्वती, हिन्दूषद्दर्शन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2011.
6. श्रीमति विमला सिंह, बुद्ध कालीन शाक्यसेसौथवारतक यात्रा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2017.
7. डॉ0 सर्वेपल्लि राधा कृष्णन, भारतीय दर्शन–1,(वैदिकयुगसेबौद्धकालतक),विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी उत्तर प्रदेश, 2017.
8. डॉ० सर्वपल्ली राधा कृष्णन भारतीय दर्शन –2, हिन्दू धर्म – पुनर्जागरण काल सेवर्तमानतक विश्व विद्यालय प्रकाशन वाराणसी उत्तर प्रदेश – 2016
9. डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन,गौतम बुद्ध जीवन और दर्शन, राजपाल एंडसंस,भारत 1899.
10. डॉ. बी.आर.आंबेडकर, भगवान बुद्ध और उनकाधम्मा,2000.
11. सरश्री, भगवानबुद्ध,मंजुल,भारत, 2016.

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-1, Issues-16 YEAR- June. -2020

12. सं. अनीता गौर, मै बुद्ध बोल रहा हूँ, प्रभात प्रकाशन,भारत, 2013
13. स्वामी विवेकानंद, गौतम बुद्ध तथा उनका सन्देश, रामकृष्णन मठ,भारत, 2014.

REFERENCES

1. Michaels] A-(2004)-Hinduism% Past and Present- Princeton University Press.
2. Flood] G-D-(1996)-An introduction to Hin duism- Cambridge University Press.
3. Lorenzen] D-N-(1999)- Who Invented Hin duism\] Comparative Studies in Society and History] 41(4): 630&659.
4. Obermiller] E-(1999)-History of Buddhism in India and Tibet- Sri Satguru Publ.
5. Nesbitt] E-(1996)-Sikhism- The International Encyclopedia of Anthropology] pp-1&12.
6. Lalwani] G- and R- Begani(1997)- Jainism in India- Prakrit Bharati Academy.
7. Sivananda] S-(1977)-All About Hinduism- Divine Life Society.
8. Gandhi] S-(2018)-Hinduism And Brother hood- Notion Press.
9. Narayanan] V-(2012)- Hinduism:Practicing Tradition Today] South Asian Religions- 2012] Routledge- pp- 47&79.
10. Prabhavananda] S-(2013)-Bhagavad Gita&The Song of God- Read Books Ltd.
11. Chaudhuri] H-(1954)- The Concept of Brah man in Hindu philosophyâ€ - Philosophy East and West] 4(1): 47&66.
12. Gandhi] M-(1987)- The Essence of Hindu ism- Ahmedabad :Navajivan Publishing House.
13. Muller] M-(1926)-History Of Ancient Sanskrit Literature So Far As It Illustrates The Primi tive Religion Of The Brahmans- New Delhi : Oxford And IBH Publishing.
14. Pal] P-] (2016)- Mahabharataâ of a History of Ancient India- New Delhi] India: SAGE Publications Sage India.

*****